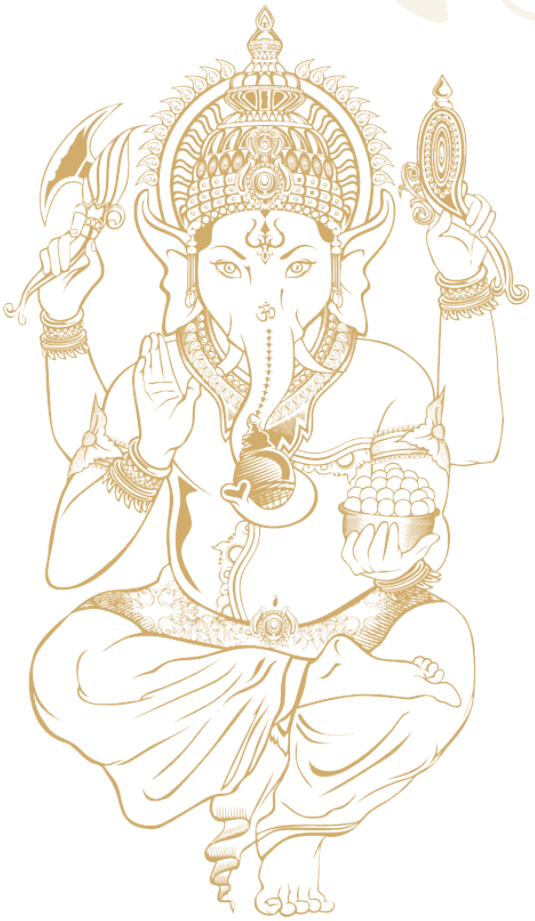

Mr.Nutan kumari

22 Feb 1995

07:58 PM

Mathura

Model: web-freekundliweb

Order No: 121830703

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**22/02/1995**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**19:58:00 घंटे**
इष्ट	32:47:11 घटी
स्थान	**Mathura**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:30:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:38:48 घंटे
वेलान्तर	-00:13:37 घंटे
साम्पातिक काल	05:46:54 घंटे
सूर्योदय	06:51:07 घंटे
सूर्यास्त	18:14:47 घंटे
दिनमान	11:23:39 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	09:42:16 कुम्भ
लग्न के अंश	03:17:48 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	व्याघात
करण	कौलव
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नू-नूर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	03:17:48	320:56:31	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	शनि	---
सूर्य			कुंभ	09:42:16	01:00:25	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	10:28:14	14:06:21	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	नीच राशि
मंगल	व		कर्क	25:04:16	00:21:28	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	नीच राशि
बुध			मक	13:55:46	00:36:38	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	सम राशि
गुरु			वृश्चि	19:26:00	00:06:34	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			धनु	26:29:30	01:09:40	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	सम राशि
शनि		अ	कुंभ	19:48:56	00:07:18	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	14:02:32	00:00:06	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		मेष	14:02:32	00:00:06	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष			मक	04:40:47	00:03:03	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
नेप			मक	00:40:41	00:01:52	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	06:47:08	00:00:20	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			मिथु	03:12:13	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:33

लग्न-चलित

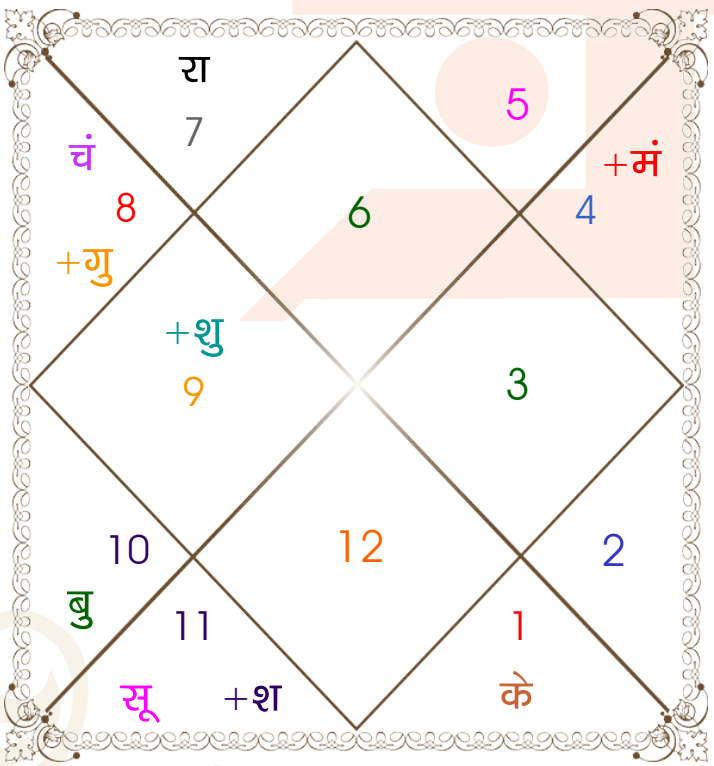

चन्द्र कुंडली

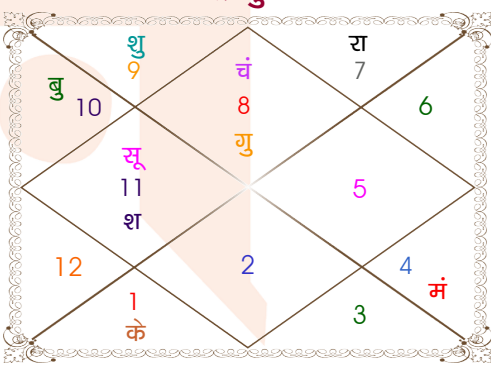

नवमांश कुंडली

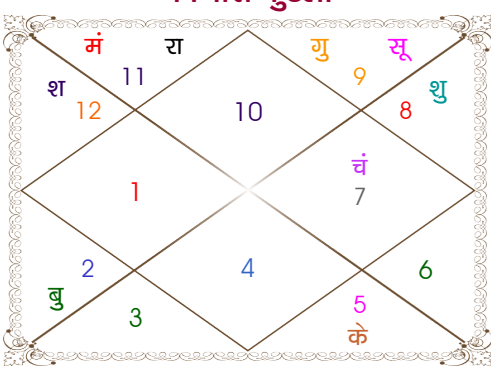

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 8 वर्ष 9 मास 28 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
22/02/1995		22/12/2003		21/12/2020		22/12/2027		22/12/2047	
22/12/2003		21/12/2020		22/12/2027		22/12/2047		22/12/2053	
	00/00/0000	बुध	20/05/2006	केतु	20/05/2021	शुक्र	23/04/2031	सूर्य	10/04/2048
	00/00/0000	केतु	17/05/2007	शुक्र	20/07/2022	सूर्य	22/04/2032	चंद्र	09/10/2048
	00/00/0000	शुक्र	17/03/2010	सूर्य	25/11/2022	चंद्र	22/12/2033	मंगल	14/02/2049
	22/02/1995	सूर्य	21/01/2011	चंद्र	26/06/2023	मंगल	21/02/2035	राहु	09/01/2050
सूर्य	25/11/1995	चंद्र	22/06/2012	मंगल	22/11/2023	राहु	21/02/2038	गुरु	28/10/2050
चंद्र	25/06/1997	मंगल	19/06/2013	राहु	09/12/2024	गुरु	22/10/2040	शनि	10/10/2051
मंगल	04/08/1998	राहु	06/01/2016	गुरु	15/11/2025	शनि	22/12/2043	बुध	16/08/2052
राहु	10/06/2001	गुरु	13/04/2018	शनि	25/12/2026	बुध	22/10/2046	केतु	21/12/2052
गुरु	22/12/2003	शनि	21/12/2020	बुध	22/12/2027	केतु	22/12/2047	शुक्र	22/12/2053

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
22/12/2053		22/12/2063		22/12/2070		21/12/2088		22/12/2104	
22/12/2063		22/12/2070		21/12/2088		22/12/2104		00/00/0000	
चंद्र	22/10/2054	मंगल	19/05/2064	राहु	03/09/2073	गुरु	09/02/2091	शनि	26/12/2107
मंगल	23/05/2055	राहु	07/06/2065	गुरु	28/01/2076	शनि	22/08/2093	बुध	04/09/2110
राहु	21/11/2056	गुरु	14/05/2066	शनि	04/12/2078	बुध	28/11/2095	केतु	14/10/2111
गुरु	23/03/2058	शनि	23/06/2067	बुध	22/06/2081	केतु	03/11/2096	शुक्र	14/12/2114
शनि	22/10/2059	बुध	19/06/2068	केतु	11/07/2082	शुक्र	05/07/2099	सूर्य	23/02/2115
बुध	23/03/2061	केतु	15/11/2068	शुक्र	10/07/2085	सूर्य	23/04/2100		00/00/0000
केतु	22/10/2061	शुक्र	15/01/2070	सूर्य	04/06/2086	चंद्र	23/08/2101		00/00/0000
शुक्र	23/06/2063	सूर्य	23/05/2070	चंद्र	04/12/2087	मंगल	30/07/2102		00/00/0000
सूर्य	22/12/2063	चंद्र	22/12/2070	मंगल	21/12/2088	राहु	22/12/2104		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 8 वर्ष 9 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करते कि स्वास्थ्य ही सर्वोतम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहते हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करते है कि आपकी छोटी से महत्वकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्त्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरूत्साहित नही है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुके हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगे और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगे। आप अस्थिर बुद्धि के पुरूष हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगे। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधे लम्बे आकृति के तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता हैं। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहते हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृति के अंहकार से युक्त पुरूष है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होते हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि के प्राणी हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करते हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखते हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाते हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेते हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरूद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकते हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकते हैं। यदि आपमें कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर के नेता हो सकते हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकता है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।